हज और उमरह की दुआएं

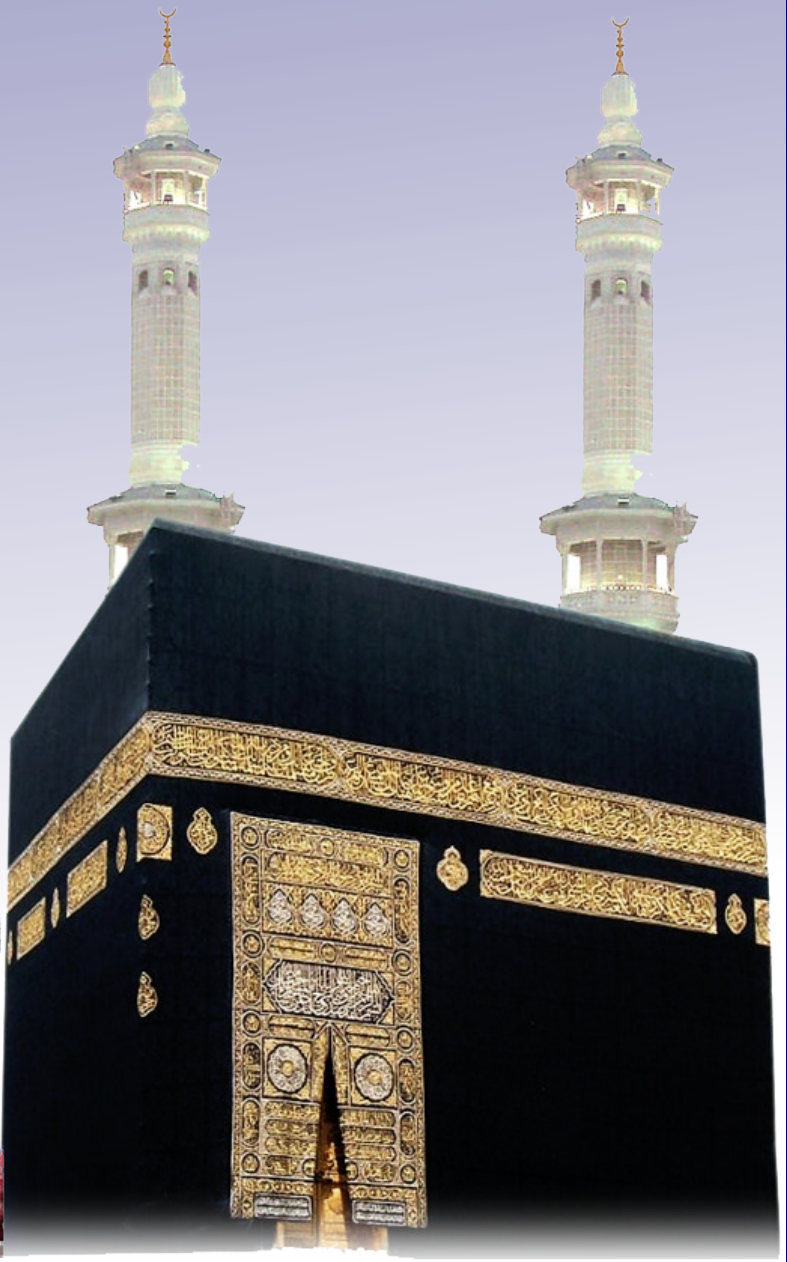

मुफ़्ती शाहजहाँ कासमी, मदनापल्ली

इस किताब में पहले उमरा की दुआएँ लिखी जा रही हैं, फिर हज्ज की दुआएँ और मदीना मुनव्वरा की दुआएँ भी लिखी जाएँगी

सफ़र शुरू करने की दुआ:

जो शख्स सफर के लिए घर से रवाना होते वक़्त यह दुआ पढ़े गा, शैतान और दुश्मनों से महफूज़ रहेगा और हर मुश्किल आसान हो जाएगी।

बिस्मिल्लाहि तवाक्कल्तु अलल्लाह, ला हौल वला कुव्वता इल्ला बिल्लाह,अल्लाहुम्मा बिका आसूलु वा बिका आहूलु वा बिका आसीर

कार, बस, और फ्लाइट में सवार होने की दुआ:

जब जहाज की सीढ़ियों पर चढ़ने लगे या हवाई जहाज या गाड़ी या किसी भी सवारी पर सवार होने लगे, तो बिस्मिल्लाह पढ़कर तीन मर्तबा अल्लाहु अकबर कहें और निम्नलिखित कुरआनी दुआ पढ़ें:

سُبْحَانَ الَّذِيْ سَخَّرَ لَنَا هذا وَمَا كُنَّا لَه مُقْرِنِيْنَ وَإِنَّآ إِلٰى رَبِّنَا لَمُنْقَلِبُوْنَ

नोट: सफ़र की यह दुआ कुरान की आयत है, इसलिए उसको अरबी के अलावा किसी और ज़बान में लिखना जाइज़ नहीं है। इसलिए मैंने अरबी में ही लिख दिया है, आप किसी से यह दुआ सीखें।

सफ़र के दौरान पढ़ने की दुआ:

अल्लाहुम्मा इन्ना नस् अलुका फी सफरिना हाज़ालबिर्र वत्तकवा वमिनल-अमलि मा तरज़ा। अल्लाहुम्मा हव्विना अलैना सफरना हाजा वत्विआ अन्ना बुअदा, अल्लाहुम्मा अंतस साहिबु फिस सफारी वल खलीफातु फिल अहल। अल्लाहुम्मा इन्नी आउज़ु बिका मिव वा आसाईस सफार वा का आबातिल मनज़र वा सूइल मुनकलबि फिल मालि वल अहल

किसी जगह उतरने की दुआ:

رَّبِّ أَنزِلْنِي مُنزَلًا مُّبَارَكًا وَأَنتَ خَيْرُ ٱلْمُنزِلِينَ

उम्रे का इहराम बाँधते वक्त की दुआ और नियत:

अल्लाहुम्मा इन्नी ऊरीदुल उम्रता फयस्सिर्हा ली वतकब्बल्हा मिन्नी

"ऐ अल्लाह! मैंने उमरा का इरादा किया है, इसे मेरे लिए आसान बना दे और इसे मुझसे क़बूल कर ले"

तलबीया के अल्फाज़

لَبَّيْكَ اللَّهُمَّ لَبَّيْكَ،

لَبَّيْكَ لاَ شَرِيكَ لَكَ لَبَّيْكَ،

إِنَّ الْحَمْدَ، وَالنِّعْمَةَ،

لَكَ وَالْمُلْكَ، لاَ شَرِيكَ لَكَ

लब्बैक अल्लाहुम्मा लब्बैक, लब्बैक ला शरीकलका लब्बैक, इन्नल हम्दा वन्निमाता लक वलमुल्क, ला शरीकलक।

हुडूद-ए-हरम में दाखिल होने की दुआ:

अल्लाहुम्मा इन्ना हाजा हरामुका वा हरामु रसूलिका फा हर्रिम लहमी वा दमी वा अज़मी वा बशरी अलन्नार। अल्लाहुम्मा आमिननी मिन आज़ाबिका यौमा तबअसु इबादक।

मस्जिद-ए-हराम में दाखिल होने की दुआ

बिस्मिल्लाहि वस्सलातु वस्सलामू अला रसूलिल्लाह
अल्लाहुम्मग फिरली जुनूबी वफ्तह ली अबवाबा रहमतिक

इस दुआ को पढ़ने के बाद आइतिकाफ की नियत इस तरह से करें

नवैतुल इतिकाफा माँ दुम्तु फिल मस्जिद

मैंने तब तक आइतिकाफ की नियत की है जब तक कि मैं मस्जिद में हूँ

बैतुल्लाह शरीफ पर पहली नज़र पड़ने की दुआ:

जब मस्जिद हराम में दाखिल होने के बाद काबातुल्लाह पर पहली मर्तबा नज़र पड़े, तो सबसे पहले तीन मर्तबा "अल्लाह अकबर" बोलें, फिर "ला इलाहा इल्लाह" यह भी तीन बार बोलें, फिर यह दुआ पढ़ेंI

अल्लाहुम्मा अंतस सलामू वा मिनकस सलाम
फा हय्यीना रब्बना बिस सलाम
अल्लाहुम्मा ज़िद बैतका हाज़ा ताज़ीमाव वा तश्रीफाव वा तक्रीमाव वा महाबाह। वा ज़िद मन हज्जहू अवी तामरहू तश्रीफाव वा तक्रीमाव वा ताज़ीमाव वा बर्रा।

नोट: अगर ये सभी दुआएं ज़बानी याद हों तो ज़बानी पढ़ें, वरना इन्हें प्रिंट निकालकर देखकर पढ़ना भी जाएज़ हैI और अगर देखकर पढ़ना भी न हो सके तो अपनी मातृभाषा में इन दुआओं का मतलब अदा करके अपनी दुनिया और आखिरत की मुरादें अल्लाह से माँगें और पूरी उम्मत के लिए खूब दुआ करें और ख़ासकर ये दुआ करें कि अल्लाह अब से लेकर मौत तक जो भी दुआ माँगूं उन्हें क़बूल फरमा, मैं गुनागार तो यहाँ आ गया हूँ, अब दुनिया में जितने मुस्लिम हैं और क़यामत तक जितने आएँगे उन सब को भी यहाँ आने की तौफ़ीक़ अता फ़रमा और इस किताब को लिखने वाले को भी बार-बार हज़ और उम्रा की तौफ़ीक़ अता फ़रमा

तवाफ़ शुरू करते वक्त की दुआ

बिस्मिल्लाहि अल्लाहु अकबर वलिल्लाहिल हम्द। वस्सलातु वस्सलामू अला रसूलिल्लाह। अल्लाहुम्मा ईमानम बिका वा तस्दीकम बिकिताबिक वा वफा अम बि अह्दिक वात्तीबाआन लि सुन्नति नबीय्यिका सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम

नोट: यह ऊपर वाली दुआ तवाफ़ के हर चक्कर की शुरुआत में भी पढ़नी है

नोट: अगर ये दुआ याद न हो तो बिस्मिल्लाहि अल्लाहु अकबर वलिल्लाहिल हम्द पढ़ना भी काफी है

तवाफ के पहले चक्कर की दुआ

सुबहानल्लाहि वल हम्दू लिल्लाहि वला इलाहा इल्लल्लाहु वल्लाहु अकबर वला हौला वला कुव्वता इल्ला बिल्लाहिल अलिय्यिल अज़ीम। वस्सलातु वस्सलामू अला रसूलिल्लाहि सोल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम अल्लाहुम्मा ईमानम बिका वतस्दीकं बिकिताबिक ववफां अमं बिअहदिक वत्तिबाअन लिसुन्नति नबिय्यिक वहबीबिक सय्यिदिना मुहम्मदिन सोल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम, अल्लाहुम्मा इन्नी असअलुकल अफवा वल आफियत वल मुआफातद दाईमता फीद दीनि वद्दुन्या वल आखिरति वल फौजबिल जन्नति वन्नजाता मिनान्नार

हर चक्कर में रुक्न यमानी और हजरे असवाद के दरमियान

अल्लाहुम्मा इन्नी असअलुकल अफवा वल आफियता फिद्दुन्या वल आखिरह

इसके बाद क़ुरआन की आयत है

رَبَّنَاآتِنَا فِىْ الدُّنْيَا حَسَنَةً وَّفِىْ الْآخِرَةِ حَسَنَةً وَّقِنَا عَذَابَ النَّارِ

फिर ये दुआ पढ़ें, वा अद्खिल्नल जन्नत मा अलअबरार. या अज़ीज़ु या गफ़्फार, या रब्बल आलमीन

तवाफ के दूसरे चक्कर की दुआ

अल्लाहुम्मा इन्न हाज़ल बैता बैतुका वल हरामा हरामुका वल आमन आमनुका वल अब्द अब्दुका वा अना अब्दुका वब्दु अब्दिका व हाज़ा मक़ामुल आइज़ी बिका मिनन्नार। फहर्रिम लुहूमाना वा बश्रातना अलन्नार। अल्लाहुम्मा हब्बिब इलैनल ईमाना व जय्यिन्हू फी क़ुलूबिना व कर्रिह इलैनल कुफ्र वल फुसूक़ा वल इस्यान। वज अलना मिनर राशिदीन। अल्लाहुम्मा क़िनी आज़ाबक यौमा तबअसु इबादक। अल्लाहुम्मर ज़ुक़्निल जन्नत बिग़ैरि हिसाब

तवाफ के तीसरे चक्कर की दुआ

अल्लाहुम्मा इन्नी आऊज़ु बिका मिनश्शक्की वश्शिर्की वश्शिकाकि वन निफाकि व सूइल अख्लाकि व सूइल मंजरी वल मुन्कलबि फिल मालि वल अहलि वल वलद। अल्लाहुम्मा इन्नी आऊज़ु बिका मिन फितनतिल कब्रि वा आऊज़ु बिका मिन फितनतिल मह्या वल ममाति। वा आऊज़ु बिका मिनल खिज्यि फिद दुन्या वल आखिरह।

तवाफ के चौथे चक्कर की दुआ

अल्लाहुम्मज़ अलहु हज्जम मब्रूरा वा साईयम मश्कूरा वा ज़म्बम मग़फूरा वा अमलन सालिहन मकबूला वा तिजारतन लान ताबूर. या आलिमा मा फिस्सुदूर! अख़रिज्नी या अल्लाहु मिनज़्ज़ुलूमाति इलान नूर. अल्लाहुम्मा इन्नी असअलुक मूजिबाति रहमतिक, वा अज़ाइमा मग़फिरातिक, वस सलामता मिन कुल्ली इस्म, वल ग़नीमता मिन कुल्ली बिर्र. वल फौजा बिल जन्नति वन नजाता मिनन्नार. रब्बी क़न्नी नी बिमा रज़ाकतनी वा बारिक ली फी मा आतोय्तनी वाख्लुफ अला कुल्ली ग़ाइबतिल्ली मिन्का बिखैर

तवाफ के पांचवे चक्कर की दुआ

अल्लाहुम्म अज़िल्लनी तहत जिल्ली अर्शिका यौमा ला ज़िल्ला इल्ला ज़िल्लु अर्शिक वला बाक़िया इल्ला वज्हुक, वस्कीनी मिन हौजि नबीयिका सैय्यिदिबा मुहम्मदिन, सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम, शरबतन हनीआतन, मरीआतन, ला तज़मौ बादहा अबादा। अल्लाहुम्मा इन्नी असअलुक मिन ख़ैरि मा सा अलाका मिनहु नबीयुका सैय्यिदुना मुहम्मदु सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम, व आऊज़ु बिका मिन शर्रि मस्ता आज़ा मिनहु नबियुका सैय्यिदुना मुहम्मदु सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम, व अंतल मुस्ताअन, व अलैकल बलाग़, वला हौला वला

कुव्वता इल्ला बिल्लाह। अल्लाहुम्मा इन्नी असअलुकल जन्नता व नईमा हा, वमा युकर्रिबुनी इलैहा मिन कौलिन औ फेलिन औ आमल, व आऊज़ु बिका मिनन्नारि, वमा युकर्रिबुनी इलैहा मिन कौलिन औ फेलिन औ आमल

तवाफ के छठे चक्कर की दुआ

अल्लाहुम्मा इन्ना लक अलय्या हुकूक़न कसीरतन फीमा बैनी वा बैनक, वा हुकूक़न कसीरतन फीमा बैनी वा बैना ख़ल्किक। अल्लाहुम्मा मा काना लक मिन्हा फ़ग़्फ़िरहु ली वमा काना लिखल्किक फा तहमिलहु अन्नी वग्फ़ीनी बिहलालिक अन हरामिक। वबिताअतिक अम्मासियातिक वबि फ़ज्लिक अम्मन सिवाक। या वासिअल मग़्फ़िरह। अल्लाहुम्मा इन्ना बैतक अज़ीमुन वा वज्हक करीमुन वा अंत या अल्लाहु हलीमुन करीमुन अज़ीमुन तुहिब्बुल अफ़वा फाफु अन्नी

तवाफ के सातवें चक्कर की दुआ

अल्लाहुम्मा इन्नी असअलुक ईमानान कामिला वा यक़ीनन सादिका वा रिज़्काव वासिया वा क़ल्बन ख़ाशिया वा लिसानन ज़ाकिरा वा हलालन तोईयिबा वा तौबतन नासूहा वा तौबतन क़बलल मौति वा राहतन इन्दल मौत,वा रहमतम वा मग़्फ़िरतम बादल मौत, वल अफ़्वा इन्दल हिसाब, वल फ़ौजा बिल जन्नति वन नजाता मिनन्नार। बि रहमतिक या अज़ीज़ू या ग़फ़्फ़ार। रब्बी ज़िद्नी इल्मा, वा अल्हिक्नी बिस सालिहीन

तवाफ के सात चक्कर के बाद मकाम इब्राहीम के पास पहुंचकर ये आयत पढ़ें:

وَاتَّخِذُوا مِنْ مَقَامِ إِبْرَاهِيمَ مُصَلًّى

तर्जमा: तुम मकाम इब्राहीम के पास अपना मसल्ला बनाओ।

तवाफ की दो रक'आत के बाद, मकाम इब्राहीम पर पहुंचकर आदम अलैहिस्सलाम की दुआ पढ़ें। आदम अलैहिस्सलाम की दुआ की फजीलत यह है कि जो इस दुआ को पढ़ेगा, अल्लाह उसके सभी गुनाहों को माफ़ करेगा,और उसकी सभी परेशानियों को दूर करेगा, फिर कभी उसे गरीबी और संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा, और दुनिया उसके सामने नीची होकर आएगी

अल्लाहुम्मा इन्नक तालमू सीर्री वा आला नीयती फकबल मजीरती वा तालमू हाजती फा अतिनी सुली, वा तालमू मा फी नफसी फग़्फ़िरली जुनूबी।
अल्लाहुम्मा इन्नी असअलुक ईमानय युबशिरु कलबी वा यक़ीनन सादिकन हट्टा आलम अन्नाहू ला युसीबुनी इल्ला मा कतबता ली वा रिजाम बिमा कसम्ता ली या अरहमर राहिमीन

मुल्तज़म पर (खाना-ए-क़ाबा का दरवाज़ा और हजरे अस्वद के बीच) पढ़ने की दुआ:

अल्लाहुम्मा इन्ना हाज़ा बैतुकल्लज़ी जआल्ताहू मुबारकाव वा हुदल्लिल आलमीन। अल्लाहुम्मा कमा हादैतनी लाहू फताकब्बल मिन्नी वला तजअल हाज़ा आखिरल अहिद मिम बैतिक। वर्ज़ुक्निल औदा इलैही हत्ता तरज़ाअ अन्नी बि रहमतिक या अरहमर राहिमीन।

मीज़ाब-ए-रहमत के नीचे पढ़ने की दुआ

अल्लाहुम्मा इन्नी असअलुक ईमानल ला यजूलू वा यक़ीनल ला यनफ़ादू वा मुराफ़क़ता नबीय्यका सल्लल्लाहु अलैही व सल्लम अल्लाहुम्मा अज़िल्लनी तःता ज़िल्ली अरशिका यौमा ला ज़िल्ला इल्ला ज़िल्लु अरशिक। वास्कीनी बि क़ासि मुहम्मदिन सल्लल्लाहु अलैही व सल्लम शर्बतान ला अज़्मौ बादाहा अबदा

ज़मज़म पीने की दुआ

अल्लाहुम्मा इन्नी असअलुक इल्मन नाफ़िअ वा रिज़कवा वासिअ वा शिफा अमिन कुल्लि दा।

साई को जाने से पहले हजरे अस्वद को 'बिस्मिल्लाहि अल्लाहु अकबर वलिल्लाहिल हम्द' कहकर बोसा दें

सफा पहाड़ी पर चढ़ने की दुआ

अब्दउ बिमा बदा अल्लाहु बिही

और इसके बाद ये कुरान की आयत पढ़ें

اِنَّ الصَّفَا وَالْمَرْوَةَ مِنْ شَعَائِرِ اللّٰهِ

साई की नियत करके सफा पहाड़ पर या उसके क़रीब खड़े होकर काबा की तरफ मुंह करके 3 बार ये दुआ पढ़ें

ला इलाहा इल्लाल्लाहु वहदहु ला शरीका लहू। लहुल मुल्कु वलहुल हम्द। युह्यी वयुमीतु वहूवा अला कुल्ली शयिन क़दीर

ला इलाहा इल्लाल्लाहु वहदहु अंजजा वा'दहू व नसर अब्दहू व हज़मल अहज़ाबा वहदहु

सफा मरवा के दरमियां हरी लाइट्स के बीच में दौड़ कर चलते हुए यह दुआ पढ़ें:

रब्बिग्फिर वरहम वाफू वता कर्रम, वता जावाज़ अम्मा ता'लम। इन्नका अंतल आअज़्ज़ुल अकराम।

हरी लाइट्स को पार करने के बाद मरवा तक यह दुआ पढ़ें:

अल्लाहुम्मस् ता'मिलनी बि सुन्नति नबिय्यिका मुहम्मदिन सोल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम। वता वफ्फनी अला मिल्लतिही। वा आईज्नी मिम मुजिल्लातिल फितानि बि रहमतिक या अरहमर राहिमीन

नोट: अगर किसी को ये दुआएँ याद न हों तो जो दुआ चाहे पढ़ सकते हैं, अरबी में भी और उर्दू में भी। सब जायज़ है।

हज़ की दुआएं

हज्ज का इहराम बाँधते समय की दुआ और नियत:

"अल्लाहुम्मा इन्नी उरीदुल हज्ज फयस्सिर्हु ली वतकब्बल्हु मिन्नी"

"अल्लाह! मैंने हज का इरादा किया है, इसे मेरे लिए आसान कर दे और इसे मुझसे कबूल कर ले"

मीना से अरफात के लिए निकलते समय यह दुआ पढ़ें

अल्लाहुम्मा इलैका तवज्जहतु वा अलैका तवक्कल्तु वा वज्हुक अरद्तु फज'अल ज़म्बी मगफूरा, वा हज्जी मबरूरा, वरहम्नी वला तुखय्यिब्नी वा बारिक ली फी सफरी वक़्ज बि अरफातिन हाजाती इन्नका अला कुल्लि श्य इन क़दीर।

मीना से अरफात को जाते हुए रास्ते में खूब तलबिया पढ़ें

जब अरफात में दाखिल हो और जबल रहमत पर नजर पड़े तो

अल्लाहुम्मा इलैका तवज्जह्तु वा अलैका तववक्लतु वा वज्हुका अरद्तु, अल्लाहुम्माग़ फिर ली वा तुब अलय्या वा आतिनी सुआली वा वज्जिह लीयल खैरा ऐनामा तवज्जह्तु। सुब्हानअल्लाहि वल हम्दु लिल्लाहि वला इलाहा इल्लल्लाहु वल्लाहु अकबर

अरफात की सबसे अफजल दुआ हिंदी में इस प्रकार है

इस दुआ को हो सके तो अरफात में 100 बार पढ़ें:

ला इलाहा इल्लाल्लाहु वह्दहु ला शरीकलहू, लहुल्हम्दु वलहुल्मुल्कु वहुवला कुल्लिशयिन कदीर

अरफात में जोहर से लेकर असर के दरमियान तक ये ४ तस्बीह पढ़ें:

1) चौथा कलिमा 100 बार (ऊपर बताया गया है:)

2) सूरा ए इखलास 100 बार,

3) दरूद इ इब्राहीम 100 बार,

4) इस्तिग़्फार 100 बार।

नोट: दारूद ए इब्राहीम में आखिर में यह जुम्ला भी बढ़ा दें:

"वा अलैना मा आहुम"

नोट: अरफात में और मुज्जदिल्फा में आपको जो दुआ आए, वह सभी पढ़ सकते हैं, अरबी और उर्दू या जिस भाषा में चाहें पढ़ें

जमरात पर कंकड़ी मारने की दुआ:

बिस्मिल्लाहि अल्लाहु अकबर, रघ्मन लिश शैतानि वा रिज़ान लिर्रहमान

छोटे और बीच के शैतान को कंकड़ी मारने के बाद की दुआ:

अल्लाहुम्मज़ अल्हू हज्जम् मबरूरा वा ज़म्बम् मग़फ़ूरा वा सा'य्यम् मश्कूरा

नोट: इस PDF में सिर्फ अहम दुआओं को लिखा गया है, यानी इनका पढ़ना अफजल और बेहतर है लेकिन फर्ज या वाजिब नहीं है और नियत भी उर्दू में कर सकते हैं, बल्के सिर्फ दिल से नियत करना भी काफी है अभी सिर्फ इतना ही लिख पाया, फिर कभी तफ़सील से लिखूंगा इन शा अल्लाह

मदीना की दुआएं

मक्का मुकर्रमा से मदीना मुनव्वरा जाते हुए कसरत के साथ दरूद शरीफ पढ़ें

मदीना मुनव्वरा के करीब पहुंच कर पढ़ने की दुआ

अल्लाहुम्म हाज़ा हरामु रसूलिका फाजअलिल दुखुल वा कायतमिनन्नारि वा आमानान मिनल अजाबि वा सूइल हिसाबि

मदीना मुनव्वरा में दाखिले के वक्त पढ़ने की दुआ

बिस्मिल्लाह, माशा अल्लाह, ला हौला वला कुव्वता इल्ला बिल्लाह, रब्बि अद्खिल्नी मुद्खल सिद्किन व अख्रिज्नी मुख्रज सिद्किन, व अर्जुक्की मिन जियारती रसूलिका मारज़क्त औलियाक व आहल ताअतिक, व अंकिस्नी मिनन नार, व अग्फिरली व अरहमनी या खयर मसूअल, अल्लाहुम्म अजअल्ना फीहा क़रारां व रिज़्कां हसना

रौजा-ए-रसूल ﷺ पर सलाम की दुआ

अस्सलामु अलैका या रसूलअल्लाह, अस्सलामु अलैका या खैरा खल्क़ अल्लाह

सलाम के बाद हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैही व सल्लम से इन अल्फ़ाज़ से शिफ़ाआत की दरख़्वास्त करें

यारसूलअल्लाहि असअलुक शफाआत वअतवस्सलु बिक इला अल्लाहि फी अन अमूत मुस्लिमा अला मिल्लतिक व सुन्नतिक

अगर कोई दूसरा आस्सलाम वालैकुम कहें, तो हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैही व सल्लम की खिदमत में इस प्रकार सलाम पेश करें

अस्सलामु अलैका या रसूलुल्लाहि, मिन फुलान इब्न फुलान यस्तश्फिऊअ बिक इला रब्बिक

अगर बहुत सारे लोगों ने सलाम पेश किया है और नाम याद नहीं है तो इस तरह पेश करें

अल्सलातु वस्सलामु अलैक या रसूलअल्लाहि, मिन जमीं मन औसानी बिस्सलामि अलैक

हजरत अबू बक्र सिद्दीक (रजिअल्लाहु अन्हु) को सलाम

अस्सलामु अलैका या खलीफता रसूलिल्लाह व या अमीरल मुमिनीन अबा बक्र अस्सिद्दीक

हजरत उमर (रजिअल्लाहु अन्हु) को सलाम

अस्सलामु अलैका या खलीफता रसूलिल्लाह व या अमीरल मुमिनीन उमर अल फारूक

जन्नतुल मुआल्ला या जन्नतुल बाक़ी में जाते समय यह दुआ पढ़ें:

अस्सलामू अलैकुम दारा कौमिम मुएमिनीन
वा इन्ना इन शा अल्लाहु बिकुम लाहिकून

मदीना मुनव्वरा से वापसी की दुआ

मदीना मुनव्वरा से वतन वापसी का इरादा हो और मस्जिद नबवी में रियाज़ अल जन्नत में जाने का मौका हो, तो दो रकात पढ़ कर रौज़ा ए आतहार पर हाज़िर होकर सलात और सलाम पढ़ें, इसके बाद अच्छी दुआएँ करें, फिर इस दुआ को पढ़ें। और अगर रियाज़ अल जन्नत में अब जाने का मौका न हो तो रौज़ा ए आतर पर हाज़िर होकर सलात और

सलाम पेश करके फिर यह दुआ पढ़ें:

अल्लाहुम्म, ला तज़्अल हाजा आखिराल-उध्दि बिनबियिक व मस्जिदिहि वहरमिहि, वयस्सिर लियल-उद्दा इलैहि वलउकूफ लदैहि, वरज़ुक्नील-आफ़व वल-आफिया फिदुन्या वल-आखिरा, वरुद्दना आला आहलिना सालिमीन, गानिमीन, आमिनीन, बिरहमतिक, या अरहामरराहिमीन

आजीजाज़ा दरखास्त

मक्का मुकर्रमा और मदीना मुनव्वरा में जहां कहीं मुझे ग़नागार का ख़्याल आये तो ज़रूर दुआ करें कि अल्लाह! इस किताब को लिखने वाले के इल्म और अमल में दिनिया में बरकत अता कर और इस बंदे को दीन की खूब से खूब ख़िदमत करने की तौफ़ीक अता करें, आप के लिए दिल से दुआ है कि अल्लाह पाक आपके उम्रे को कबूल फरमाए और आसान फरमाए

लेखक

मौलाना मुफ्ती शाह जहाँ कासिमी मदनापल्ली